उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 10 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(02/33)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय ने समाज को एकात्म मानववाद जैसी विचारधारा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ ही सभी धर्मों के अनुयायियों को समान अधिकार के हिमायती रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत 11 फरवरी, 2018 को प्रातः11.55 बजे जीएमएस रोड़ स्थित चौधरी फार्म हाउस में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समर्पण दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 10 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(02/32)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में उप मण्डल ड़ोड़राक्वार, हिमाचल प्रदेश से आए भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल द्वारा राज्य के मोरी विकासखण्ड के चौला से ड़ोड़राक्वार मोटर मार्ग निर्माण के लिए अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र द्वारा प्रतिनिधिमण्डल को मोटर मार्ग निर्माण का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में श्री मनोज बसु, श्री दीपक, श्री योगेश, श्री कपिल एवं श्री कर्मचन्द्र शामिल थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 10 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(02/31)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत राज्य की जल विद्युत परियोजनाओं के सम्बंध में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी व सुश्री साध्वी उमा भारती से वार्ता करेंगे। मुख्यमंत्री दिल्ली में 15 फरवरी, 2018 को मुख्यमंत्रियों की बैठक में किसाऊ व लखवाड जल विद्युत परियोजनाओं के सम्बंध में हिमाचल व राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से भी विचार विमर्श करेंगे।

मुख्यमंत्री ने इस सम्बंध में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सिंचाई, सचिव ऊर्जा के साथ चर्चा की तथा प्रदेश की जल विद्युत परियोजनाओं के सम्बंध में दिल्ली में प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव श्री नृपेन्द्र मिश्र के साथ हुई वार्ता की भी जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की नदियों की अविरल व निर्मल धारा को बनाये रखने के लिये संकल्पबद्ध है। नीरी द्वारा किये गये वैज्ञानिक अध्ययन व परीक्षण में भी यह तथ्य सामने आया है कि टिहरी बांध बनने के बाद गंगा नदी के जल की गुणवत्ता व निर्मलता में कोई कमी नही आयी है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने केन्द्रीय मंत्री सुश्री साध्वी उमा भारती को भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार गंगा की अविरलता के लिये संकल्पबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री सहित अन्य केन्द्रीय मंत्रियों के संज्ञान में यह तथ्य भी लायेंगे कि जल विद्युत परियोजनाओं के बन्द होने से उत्तराखण्ड को एक हजार करोड रूपये की बिजली प्रतिवर्ष क्रय करनी पड रही है। जबकि हिमाचल एक हजार करोड की बिजली बिक्री कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट के आधार पर जल संसाधन, ऊर्जा, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाने सम्बंधी प्रकरण भी केन्द्रीय मंत्रियों के समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में कुल 18175 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन क्षमता है किन्तु मात्र 5186 मेगावाट क्षमता का ही उपयोग हो पा रहा है तथा हजारों करोड का निवेश भी इससे बाधित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 23 योजनाओं को बन्द करने की सलाह दी। जबकि राज्य की 29 परियोजनाएं बन्द पडी है। उन्होंने कहा कि अन्य लम्बित परियोजनाओं के सम्बंध में राज्य हित में सकारात्मक निर्णय लिये जाने के लिये प्रभावी प्रयास किये जायेंगे।

बैठक में मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह, प्रमुख सचिव श्री आनन्द वर्द्धन, सचिव ऊर्जा श्रीमती राधिका झा आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 10 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(02/30)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत शनिवार को नगर निगम, देहरादून में अखिल गढ़वाल सभा के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। अखिल गढ़वाल सभा को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि इस प्रकार की संस्थाओं के दीर्घ जीवन के लिए कुछ लक्ष्य होते हैं। चण्डीगढ़ की गढ़वाल सभा को भी 70 वर्ष हो गए हैं। वह पहली रजिस्टर्ड सभा है। उत्तराखण्ड के लोग बहुत ही जागरूक रहे हैं। उन्होंने कोई भी कदम लम्बी सोच के आधार पर उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में उत्तराखण्ड के लोगों को पसन्द किया जाता है। हमारी विश्वसनीयता ही हमारी विशेषता है। देश भर में हम लोगों के प्रति एक धारणा है कि पहाड़ के लोग, उत्तराखण्ड के लोग बहुत ही ईमानदार, मेहनती व देशप्रेमी होते हैं। आज भारत की सुरक्षा व गोपनीयता से जुड़े महत्वपूर्ण पदों में उत्तराखण्ड के लोग नियुक्त हैं। उन्होंने कहा कि वे जब भी दिल्ली जाते हैं तो वहाँ से खाली हाथ नहीं आते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की जो पहचान है उसे बनाए रखने की आवश्यकता है तथा उसे और अधिक मजबूत किए जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पिछले दिनों फिल्म निर्माता उनके पास आए तो उन्होंने फिल्म निर्माताओं को उत्तराखण्ड की खूबसूरत वादियों में शूटिंग करने के लिए आमंत्रित किया। टिहरी में फिल्म शूटिंग के लिए बहुत अधिक सम्भावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेता शाहिद कपूर की 'बत्ती गुल मीटर चालू की शूटिंग का मुहूर्त के अवसर पर जब उन्होंने शाहिद से कहा कि 50–55 दिनों की शूटिंग के बाद जब वापस जाओगे तो अपने अनुभव साझा करना। इस पर शाहिद कपूर ने कहा कि जिस प्रकार का सहयोग यहाँ के लोगों ने दिया ऐसा इससे पहले कभी नहीं मिला। उन्होंने तारीफ की कि यहाँ के लोग बहुत ही अच्छे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी इस खूबी को बनाए रखना है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि मुम्बई में बनाये जा रहे उत्तराखण्ड भवन में दो कक्षों को तिमारदारों के लिये आरक्षित रखा जायेगा। उन्होंने ने अखिल गढवाल सभा से भी अपेक्षा की कि गढ़वाल सभा के लिए बनाए जा रहे भवन में उत्तराखण्ड की कला संस्कृति को जरूर शामिल करें, साथ ही इसमें 10–12 कक्षों को तिमारदारों के लिए आरक्षित रखें। ***मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने डाट काली मंदिर के समीप बन रही टनल के प्रवेश द्वार पर भी उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति की झलक प्रदर्शित हो, इसके लिये प्रयास करने की जरूरत बतायी तथा इसके आर्किटेक्चर के लिये उन्होंने श्री टी.एस.असवाल से सहयोग की अपेक्षा की।***

इस अवसर पर राज्य मंत्री डॉ.धनसिंह रावत, मेयर एवं विधायक श्री विनोद चमोली, अध्यक्ष अखिल गढ़वाल सभा श्री रोशन धस्माना, महासचिव रमेन्द्र कोटनाला एवं सलाहकार मुख्यमंत्री श्री नवीन बलूनी, श्री शिवानन्द चमोली, श्री श्रीप्रसाद गैराला, श्री टी.एस. असवाल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने पत्रकारो से अनौपचारिक वार्ता करते हुए नीति आयोग की रिपोर्ट के सम्बन्ध में कहा कि पिछले दिनों स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ जिस प्रकार थीं, यह रिपोर्ट उसका आईना है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने चार्ज सम्भाला था, तब राज्य में लगभग 1100 डॉक्टर थे, हमने प्रत्येक जिले में डॉक्टर भेजे आज राज्य में 1900 से अधिक डॉक्टर हैं। अगले 2 माह में हम राज्य के प्रत्येक अस्पताल में चिकित्सक उपलब्ध करा देंगे। ऐसा कोई चिकित्सालय नहीं होगा जहाँ चिकित्सक न हों। इसके साथ ही हमने अटैचमेंट व्यवस्था को समाप्त कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले टिहरी दौरे में अस्पताल में ओ.पी.डी. की संख्या 140 से 160 थी, जो अब बढ़कर 560 से 625 हो गयी है। इसका मतलब इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार आया है। चिकित्सकों की उपलब्धता से संस्थागत प्रसवों की संख्या भी बढ़ी है। आने वाले समय में नीति आयोग की रिपोर्ट में पॉजीटिव टिप्पणियाँ मिलेंगी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।